लंगड़ा बुखार
ब्लैक क्वार्टर (B.Q.)

यह रोग फड़सूजन के नाम से भी जाना जाता है।

कारण

यह जीवाणु जनित संक्रामक रोग है।

रोग का फैलाव

खुले धाव या खरोंच के माध्यम से जीवाणु शरीर में प्रवेश कर रोग उत्पन्न करता है।
यह जीवाणु प्रतिकूल परिस्थितियों में भी काफी समय तक जीवित रहकर रोग फैलाता है।

लक्षण

- 105°-107° फॉरेनहाइट तक बुखार, खाना -पीना एवं जुगाली बंद कर देना।
- इस रोग में शरीर के मांसल भाग विशेष रूप से पुटठों में गैस भरी सूजन के कारण पशु लंगड़ाने लगता है।
- अंगों में अकड़न, आंखों का लाल होना।
- पुटठों पर गर्म सूजन, जो बाद में ठंडी हो जाती है।
- सूजन को दबाने पर गैस भरी होने के कारण चट-चट की आवाज आती है।
- पशु का पहले लंगड़ाना एवं बाद में चलने फिरने में असमर्थ हो जाना।

बचाव व उपचार

छः माह से अधिक की आयु वाले पशुओं में प्रतिवर्ष टीकाकरण करायें

- पशुओं को इस रोग से बचाव हेतु मानसून से पहले टीका अवश्य लगवाएँ
- रोगी पशु के सम्पर्क में आयी वस्तुओं की लाल दवा या फिनाइल से सफाई करें
- रोग से मृत पशु के शरीर से चमड़ी ना उतारे एवं उसे जमीन में गाड़ देवें
- रोगी पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखें
- उपचार हेतु पशु चिकित्सालय में सम्पर्क करें

पशुचिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग
स्नातकोत्तर पशुचिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पी.जी.आई.वी.ई.आर.)
(राजस्थान पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय)
एन.एच. 11, आगरा रोड़, जामडोली, जयपुर-302031